परंपरागत कृषि भारत की परंपरा का पुनरुद्धारक

परम्परागत सजीव कृषि के द्वारा किसान कल्याण सुनिश्चितीकरण

विज्ञान भवन में जैविक और यौगिक खेती विषय पर एक दिवसीय किसान सेमिनार का आयोजन

सम्मेलन में दीप प्रज्वलित करते हुए केन्द्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह, ब्र.कु. जयप्रकाश, ब्र.कु. राज बहन, ब्र.कु. राजू, ब्र.कु. बृजमोहन, ब्र.कु. सरला, ब्र.कु. सपना तथा ब्र.कु. शक्ति। सभा में देश भर से आये कृषि जगत से जुड़े विशिष्ट महानुभाव।

दिल्ली-विज्ञान भवन। कम लागत के साथ कृषि की उत्पादकता और पौष्टिकता बढ़ाने के लिये अब समय है जैविक खेती, प्राकृतिक खेती और गौ आधारित खेती की। जैसे परम्परागत कृषि के साथ, मानसिक सूक्ष्म ऊर्जा के प्रयोग का जिससे ही हमारी खेती परम्परागत सजीव खेती या यौगिक खेती बनेगी। उक्त उद्‌गार केन्द्रीय कृषि मंत्री राधामोहन सिंह ने विज्ञान भवन में कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय एवं ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के ग्राम विकास प्रभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित 'परम्परागत सजीव कृषि के द्वारा किसान कल्याण सुनिश्चितीकरण' विषयक एक दिवसीय सेमिनार में व्यक्त किये।

उन्होंने कहा कि मिट्टी एक ज़मीन का टुकड़ा नहीं बल्कि हमारी धरती माता है, जिसे असंतुलित रासायनिक उर्वरकों के अधिकाधिक प्रयोग से बीमार एवं विषैला बना दिया है। इसके लिए हमें ब्रह्माकुमारी संस्था के द्वारा जो सजीव यौगिक खेती की तकनीक बताई गई है, जिसमें खेती और भूमि पर सकारात्मक विचारों के प्रभाव से उत्पादकता बढ़ाने के साथ-साथ किसानों के चरित्र, स्वास्थ्य, मनोबल एवं जीवन भी समृद्ध हो रहा है, इसे आज अधिक-से-अधिक कृषि के क्षेत्र में अपनाने की आवश्कता है।

'हमारे सभी त्यौहार कृषि जीवन से ही जुड़े हैं। अनेक स्थानों पर कृषि कार्य का प्रारंभ भी भूमि पूजन एवं धार्मिक अनुष्ठानों से होता था, भारत की इस परम्परागत खेती से भूमि भी उपजाऊ रहती थी, इसलिये अब हमें पुन: इन धार्मिक विचारों के प्रभाव को खेती पर अपनाना होगा' - **कृषि एवं किसान कल्याण मन्त्रालय के केन्द्रीय राज्य मंत्री सुदर्शन भगत,सेमीनार के आयोजक।**

'बाह्य प्रकृति हमारी मानवीय आंतरिक प्रकृति पर आधारित है, इसलिए हमें परमात्मा से योग लगाकर स्वयं को शक्तिशाली बनाते हुए धरती, बीजों और खेती के प्रति संवेदनशील होकर सकारात्मक विचार देने होंगे, यह वास्तव में पारम्परिक सजीव अथवा यौगिक खेती है, जिससे प्रकृति मानव से सजीव की तरह जुड़ जाती है और अधिक फलती-फूलती है' - **सेमीनार के सह-आयोजक ब्रह्माकुमारीज़ के संयुक्त सेक्रेट्री जनरल ब्र.कु. बृजमोहन।**

'प्रकृति हमारे मन के विचारों को पढ़ती है और उसी के अनुसार प्रतिक्रिया भी देती है। जीव को सजीव बनाने की विधि है पारम्परिक सजीव खेती जिसे अब फिर से अपनाने का समय आ गया है'

- **पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय के एग्रोनोमी की प्रो. डॉ. सुनीता पाण्डेय ।**

'अधिक कीटनाशकों एवं रासायनिक खादों के प्रयोग से स्वास्थ्य पर काफ़ी बुरा प्रभाव पड़ रहा है, गुणवत्ता में कमी आ रही है एवं अनेक बीमारियाँ पैदा हो रही हैं। इसके लिए हमें जैविक खेती के साथ-साथ प्रकृति के प्रति शुभ संकल्पों का प्रयोग कर कृषि तथा इसकी उपज को सशक्त बनाना होगा'- **ब्रह्माकुमारीज़ की ग्राम विकास प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. सरला ।**

ग्रामीण प्रभाग के मुख्यालय संयोजक **ब्र.कु. राजू** ने प्रभाग द्वारा जैविक और यौगिक खेती के बारे में बताते हुए कहा कि भारत वर्ष में बहुत सारे सफल प्रयोग किये गए जिसमें पाया गया कि शाश्वत यौगिक और जैविक खेती के माध्यम से उत्पादन और गुणवत्ता दोनों में वृद्धि हुई है।

उद्‌घाटन सत्र के अलावा और तीन खुले सत्रों में भारत के विभिन्न राज्यों से आये कृषि सम्बन्धित सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थानों के उच्च पदाधिकारियों ने भी अपने विचार रखे तथा समापन सत्र को कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री पुरुषोत्तम रूपाला ने सम्बोधित किया। जैविक, यौगिक एवं पारम्परिक कृषि से लाभ तथा रासायनिक खेती से नुकसान के बारे में विभिन्न विडियो शो के द्वारा उपस्थित समग्र भारत से आये हुए किसान एवं कृषि से जुड़े वर्गों को अवगत कराया गया।

पर्यटन का उद्देश्य शांति एवं विकास

गुरूग्राम-ओ.आर.सी.। ओम शांति रिट्रीट सेंटर में शिपिंग एविएशन एण्ड टूरिज़्म से जुड़े लोगों के लिए दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन हुआ। आये हुए विशेष अतिथि तथा ब्रह्माकुमारीज़ के आये हुए प्रमुखों के विचार निम्नवत हैं... 'पर्यटन अपार संभावनाओं से भरा क्षेत्र है। पर्यटन हमें एक-दूसरे के करीब आने का मौका देता है। हम एक-दूसरे के सांस्कृतिक एवं भौगोलिक जीवन से अवगत होते हैं। मुझे ब्रह्माकुमारीज़ के इस सेवाकेन्द्र में आने से बहुत ही अलौकिकता का अनुभव हुआ'- **एयर इंडिया के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक अश्वनी लोहानी ।**

कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए अश्वनी लोहानी, सतीश सोनी, ब्र.कु. बृजमोहन, ब्र.कु. मीरा, ब्र.कु. रामनाथ तथा ब्र.कु. कमलेश।

'जितना हम अपने देश को जानेंगे, उतना ही हमारे मन में अपने देश व संस्कृति के प्रति प्रेम एवं सम्मान का भाव जागृत होगा। अगर हम अपने देश का विकास चाहते हैं तो पहले अपनी सांस्कृतिक विरासत को समझें'- **महा.पर्यटन विभाग के प्रबन्ध निदेशक सतीश सोनी।**

'ये यात्रायें तो मानव आदिकाल से करता ही आया है। वास्तवकि यात्रा तो आत्मा की है, जो अनंतकाल से चल रही है। जितना हम आत्मा के मूल स्वरूप की यात्रा करते हैं, उतना जीवन स्वत: ही शान्ति एवं विकास की ओर अग्रसर होने लगता है। 'योग' ही उस यात्रा का नाम है जो हमें अपने मूल की तरफ ले जाता है' - **ब्रह्माकुमारीज़ के संयुक्त सचिव ब्र.कु. बृजमोहन।**

'बाहर की यात्राओं में तो कई चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है, लेकिन आत्मा की इस यात्रा को करने से हमें चुनौतियों से लड़ने की शक्ति मिलती है' - **ब्र.कु. मीरा,मुम्बई।**

साथ ही कार्यक्रम में दिल्ली से आये ब्र.कु. रामनाथ ने भी अपने विचार व्यक्त किये और ब्र.कु. संगीता ने सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन ब्र.कु. कमलेश ने किया।

अपने देश व अपनी संस्कृति को बढ़ावा दें
- सोनी

आत्मा के मूल स्वरूप की यात्रा का नाम ही योग है
- ब्र.कु. बृजमोहन

कार्यक्रम में शिपिंग, एविएशन और पर्यटन के क्षेत्र से जुड़े दो सौ से भी अधिक लोगों ने शिरकत की।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510. सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088,
Email- omshantimedia@bkivv.org, mediabkm@gmail.com, Website- www.omshantimedia.info
सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 190 रुपये, तीन वर्ष 570 रुपये, आजीवन 4500 रुपये । विदेश - 2500 रुपये (वार्षिक) कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 3rd Nov 2016

संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।